उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सहित कई बड़े नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय ओम प्रकाश चौटाला को दी श्रद्धांजलि

किसान हित और ग्रामीण विकास चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की रही प्राथमिकता : जगदीप धनखड़

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ व उनकी धर्मपत्नी डॉ सुदेश धनखड़ शनिवार को जिला सिरसा के तेजा खेड़ा फार्म, चौटाला में पहुंचकर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। उन्होंने पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस मौके पर अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उप राष्टपति श्री जगदीप धनखड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के साथ अपने संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि 5 दिन पहले ही उनसे मेरी बात हुई थी। उस समय भी वो मेरे स्वास्थ्य का पूछ रहे थे, मेरी चिंता ज्यादा कर रहे थे। 29 साल पहले का वो दिन, जब उन्होंने मेरा हाथ पकड़ कर जो यात्रा शुरू करवाई, 9वीं लोकसभा में निर्वाचित करवाकर मंत्री पद देकर, वो मैं भूल नहीं सकता। जब भी मौका मिला, मुझे उनका आशीर्वाद मिला। राज्यपाल का पद ग्रहण करते ही मैंने आपका आशीर्वाद लिया।उपराष्टपति ने कहा कि 7 बार विधायक रहना और 5 बार मुख्यमंत्री बनना चौधरी साहब को परिभाषित नहीं करता बल्कि किसान, गांव का विकास उनकी प्राथमिकताएं थी, उनका संकल्प था, उनका ध्येय था, उनका उद्देश्य था। जीवन पर्यंत उन्होंने अपने को किसान कल्याण और ग्रामीण विकास के लिए समर्पित किया। कुछ भी परिस्थिति हो, कुछ भी हालात हों, किसान हित और ग्रामीण विकास को उन्होंने नहीं छोड़ा। उन्होंने ये निश्चित कर दिया कि देश का उत्थान, प्रगति, शांति, विकास किसानों के विकास और गांव के विकास से जुड़ा हुआ है। कोई ऐसा मौका नहीं आया, जब उन्होंने मेरी चिंता नहीं की। श्री जगदीप धनखड़ ने कहा कि ऐसा प्रखर वक्ता, ऐसा स्पष्ट वाद करने वाला व्यक्ति, ऐसा निर्भीक व्यक्ति, ऐसी रीढ़ वाला व्यक्ति जो ग्रामीण व्यवस्था के प्रति समर्पित रहा है। उन्होंने जो दार्शनिक रूप अपनाया, जो संकट झेले, जो व्यवस्थाओं की क्रूरता देखी, वो प्रासंगिक है।

उपराष्टपति ने कहा कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने हमें सिखाया कि रास्ता कठिन होगा, लोग बेवजह समस्याएं पैदा करेंगे, आप के कीर्तिमान को सही रूप से नहीं मानेंगे, पर निश्चित लक्ष्य है, किसान और ग्रामीण, ये दोनों महत्वपूर्ण हैं। विकसित भारत का सपना किसान के खेत और ग्रामीण विकास से निकलेगा। जो मजबूती मैंने उनमें देखी, वो अनुकरणीय है। हमारे लिए मार्ग प्रशस्त करती है। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला 1989 के बड़े राजनीतिक बदलाव के प्रमुख सूत्रधारों में से थे। किसान कर्ज़ मुक्त हो, उनका ध्येय था। जनता दल सरकार का किसान कर्ज़ माफी कदम उनकी पहल था। इन्होंने जो संकट झेल कर भी किसान की सेवा की है और कर्ज माफी के लिए उस समय लड़ाई लड़ी थी। किसान के साथ संवाद, किसान के हित की बात करना, किसान के हित को आगे बढ़ाना, किसान के हित को अपने मन में रखना, किसान का हित एक मात्र देश का हित, देश का विकास है, ये उन्होंने सिखाया। निस्संदेह देश विकास और विकसित भारत का लक्ष्य ग्रामीण और किसान हित साधने से ही संभव है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है संकल्पित होने की, अन्नदाता से संबंधित प्रकरण संवाद हो और संवेदना से निर्णीत हों। अन्नदाता आर्थिक समृद्धि का आधार है, सामाजिक समरसता का सूत्रधार है। किसानों का कल्याण ही देश प्रगति का रास्ता है और यही देश हित में भी है।

हरियाणा के भू-जल कमी वाले प्रत्येक ब्लॉक पांच जलाशयों का होगा विकास

राज्य सरकार ने मानसून के दौरान जल संरक्षण का रखा लक्ष्य

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने राज्यभर में भू-जल कमी वाले प्रत्येक ब्लॉक में कम से कम पांच जलाशयों के विकास की महत्वाकांक्षी पहल की घोषणा की है। इस प्रयास का उद्देश्य बारिश के पानी का प्रभावी ढंग से संरक्षण करना और पानी की कमी की बढ़ती संभावना के दृष्टिगत पानी की उपलब?धता की चुनौतियों का समाधान करना है। श्रीमती श्रुति चौधरी ने इस संबंध में आयोजित बैठक के दौरान जलाशयों के विकास हेतु प्रशासनिक सचिवों और विकास एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक बुलाए जाने का प्रस्ताव रखा। इसका प्राथमिक उद्देश्य इन जलाशयों के निर्माण के लिए प्रत्येक ब्लॉक में कम से कम एक हेक्टेयर पंचायत भूमि की पहचान करने हेतु समन्वय स्थापित करना है।

मानसून जल उपयोग के लिए तकनीकी योजना – सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री ने मानसून के मौसम में मारकंडा, टांगरी, घग्गर और यमुना जैसी प्रमुख नदियों से अतिरिक्त जल का दोहन और संरक्षण करने के लिए तकनीकी रूप से व्यवहार्य योजना की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सतत विकास और कृषि आवश्यकताओं के लिए इस जल का उपयोग करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

चैनलों का पुनर्वास और दो वर्षीय कार्य योजना – श्रीमती चौधरी ने फील्ड अधिकारियों को राज्य में सभी चैनलों का निरीक्षण करने और पुनर्वास की आवश्यकता वाले चैनलों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग के सिंचाई नेटवर्क के अंतिम छोर के लाभार्थियों को प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए दो वर्षीय चरणबद्ध कार्य योजना तैयार करने के भी निर्देश दिए।

स्पीकर संधवां ने हरविंदर सिंह हंसपाल के निधन पर शोक व्यक्त किया

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधानसभा के स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवां ने स. हरविंदर सिंह हंसपाल के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। आज जारी प्रेस बयान के माध्यम से स्पीकर ने 86 वर्षीय स. हंसपाल ने वर्ष 1980 से 1992 तक राज्यसभा में पंजाब का प्रतिनिधित्व किया और देश की संसद में पंजाब के हितों की पैरवी की। वह 1970 से लगातार नामधारी दरबार अंतरराष्ट्रीय संगठन के अध्यक्ष के रूप में सक्रिय रहे। स्पीकर ने कहा कि स हरविंदर सिंह हंसपाल की समाज सेवा और नेतृत्व को हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने परमात्मा से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला को दी श्रद्धांजलि

सिरसा के तेजा खेड़ा फार्म में राजकीय सम्मान के साथ हुआ चौधरी ओम प्रकाश चौटाला का अंतिम संस्कार

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला का शनिवार को जिला सिरसा के तेजा खेड़ा फार्म में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने भी तेजा खेड़ा फार्म पहुंचकर चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। अंतिम दर्शन के दौरान हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंदर कल्याण, कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, श्री महिपाल ढांडा, डॉ अरविंद शर्मा, श्री श्याम सिंह राणा, श्री रणबीर गंगवा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहनलाल बडोली और सांसद श्री कार्तिकेय शर्मा सहित कई बड़े नेताओं और लोगों ने पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रातः 8 बजे से पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था।

राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई – पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय तिरंगे में लपेटकर अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया। अंतिम संस्कार से पहले हरियाणा पुलिस की टुकड़ी की ओर से गार्ड-ऑफ-ऑनर दिया गया। इस दौरान श्री रणजीत सिंह चौटाला, श्री अभय चौटाला, श्री अजय चौटाला, श्री दुष्यंत चौटाला, श्री दिगविजय चौटाला, श्री करण चौटाला और श्री अर्जुन चौटाला सहित पूरे परिवार ने पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पंजाब पुलिस ने गैंगस्टर मॉड्यूल के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया; दो ग्लॉक पिस्तौल बरामद

- पंजाब पुलिस पंजाब को एक सुरक्षित राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है
- डीजीपी गौरव यादव का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी अपने आकाओं के माध्यम से खेप प्राप्त कर रहे थे

चंडीगढ़/पठानकोट(ब्यूरो)। पंजाब को एक सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रहे अभियान के बीच एक बड़ी सफलता में, पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) पठानकोट ने एक गैंगस्टर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है और इसके दो सदस्यों की गिरफ्तारी के साथ दो अत्याधुनिक 9एमएम ग्लॉक पिस्तौल और चार की बरामदगी की है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शनिवार को यहां बताया कि उनके कब्जे से मैगजीन और 14 कारतूस मिले।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बटाला के राऊवाल निवासी सुनील कुमार उर्फ ??आशु और बटाला के रायमल निवासी दिलप्रीत सिंह उर्फ ??दिल के रूप में हुई है। आरोपी सुनील उर्फ ??आशु का आपराधिक इतिहास है और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। उन्हें 27 फरवरी, 2024 को गुरदासपुर जेल से जमानत पर रिहा कर दिया गया। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी व्यक्तियों ने अपने आकाओं के निर्देशों के बाद अमृतसर के अजनाला इलाके से हथियारों की खेप प्राप्त की थी और उन्हें इसे एक अज्ञात पार्टी को सौंपने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा कि हथियारों के स्रोत का पता लगाने और नेटवर्क में शामिल अन्य संदिग्धों की पहचान करने के लिए आगे की जांच चल रही है।

ऑपरेशन विवरण साझा करते हुए एआईजी सीआई पठानकोट सुखमिंदर सिंह मान ने कहा कि एक गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी सुनील कुमार और दिलप्रीत सिंह कुछ अज्ञात गैंगस्टरों के संपर्क में हैं और हाल ही में उन्हें उनसे हथियारों और गोला-बारूद की खेप मिली है। उन्होंने कहा कि इनपुट के बाद, सीआई पठानकोट की टीमों ने जाल बिछाया और उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद करने के बाद दोनों आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। एआईजी ने कहा कि आरोपी व्यक्तियों द्वारा प्राप्त और वितरित की गई पिछली खेपों को ट्रैक करने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में केस एफआईआर नं. 71 दिनांक 21.12.2024 को पुलिस स्टेशन स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर में आर्म्स एक्ट की धारा 25 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 61 (2) के तहत दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को पुलिस रिमांड हासिल करने के लिए उचित समय पर अदालत में पेश किया जाएगा।

यू.डी.आई.डी. कार्ड में त्रुटियों को दूर करने के लिए 23 दिसंबर को तरनतारन में विशेष कैंप आयोजित होगा : डॉ. बलजीत कौर

- कहा,पंजाब के हर जिले में कैंप लगाए जाएंगे

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। यू.डी.आई.डी. (विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र) कार्ड में त्रुटियों को दूर करने के लिए पंजाब सरकार 23 दिसंबर को तरनतारन में विशेष कैंप का आयोजन करेगी। यह घोषणा सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने की। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि 100त्न दिव्यांगता प्रमाण पत्र होने के बावजूद, कुछ दिव्यांगजनों की दिव्यांगता को यू.डी.आई.डी. कार्ड में कम दर्शाया गया है, जिससे वे विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजनों को केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं और सेवाओं का लाभ एक ही कार्ड के माध्यम से देने के लिए यू.डी.आई.डी. कार्ड तैयार किए जा रहे हैं।मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि यू.डी.आई.डी. कार्ड में त्रुटियों को ठीक करने के लिए पंजाब के हर जिले में विशेष कैंप लगाए जाएंगे। यह उल्लेखनीय है कि हाल ही में तरनतारन में आयोजित पंजाब दिव्यांग एक्शन कमेटी के वार्षिक कार्यक्रम में यू.डी.आई.डी. कार्ड में सुधार की मांग की गई थी, जिसे मंत्री ने तुरंत लागू किया। कैबिनेट मंत्री ने जिला सामाजिक सुरक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने जिले के सिविल सर्जन के साथ समन्वय कर जिला स्तर पर विशेष कैंप आयोजित करें, ताकि दिव्यांगजन सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।

उन्होंने दिव्यांगजनों से अपील की कि वे इन कैंपों में शामिल होकर इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं। जिन दिव्यांगजनों के यू.डी.आई.डी. कार्ड अपडेट नहीं हैं, वे अपने दिव्यांगता प्रमाण पत्र और आधार कार्ड लेकर आकर अपने कार्ड को सही करवा सकते हैं।

कुरुक्षेत्र में 26 दिसंबर को राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर मनाया जाएगा वीर बाल दिवस

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने के ऐलान पर गौर करते हुए ये फैसला किया है कि हरियाणा में वीर बाल दिवस बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। हरियाणा सरकार ने इसकी रूपरेखा तैयार कर ली है। मुख्यमंत्री के ओएसडी डा. प्रभलीन सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों की कुर्बानी की याद में वीर बाल दिवस मनाया जाना है।

इसके तहत 26 दिसंबर को कुरुक्षेत्र में गुरद्वारा छठी पातशाही में बाल दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शिरकत कर श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश की सभी सरकारी यूनिवर्सिटी में 26 दिसंबर को सेमीनार का आयोजन किया जाएगा, उसका विषय साहिबजादों की कुर्बानी पर आधारित होगा। इसके अलावा सभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों में निबंध लेखन, भाषण व पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, ताकि युवा व आने वाली पीढ़ी साहिबजादों की कुर्बानी के बारे में जान सकें। उन्होंने बताया कि पहली बार हरियाणा के सभी नेशनल हाईवे स्थित पेट्रोल पंपों पर फ्लैक्स लगाए जाएंगे, जिसमें मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा साहिबजादों को श्रद्धा सुमन भेंट करने की तस्वीर होगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश की सरकारी इमारतों, माल व क्लिप के साथ मुख्यमंत्री का साहिबजादों की कुर्बानी के बारे में संदेश प्रसारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ये देश में पहली बार हो रहा है कि हरियाणा ने पहल करते हुए वीर बाल दिवस को इतने व्यापक स्तर पर मनाने का निर्णय लिया है। विश्व के सिख समाज ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद किया है और आह्वान किया है कि हरियाणा सरकार के रोल मॉडल को अपनाते हुए वीर बाल दिवस को पूरे देश में मनाया जाना चाहिए।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला को दी श्रद्धांजलि

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला का राजनीतिक जीवन जनता-जनार्दन की सेवा में था समर्पित : मनोहर लाल

चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल आज जिला सिरसा के तेजा खेड़ा फार्म पहुंचकर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की अंतिम यात्रा में सम्मिलित हुए और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किए। तेजा खेड़ा फार्म में राजकीय सम्मान के साथ चौधरी ओम प्रकाश चौटाला का अंतिम संस्कार किया गया। श्री मनोहर लाल ने कहा कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला का लंबा राजनीतिक जीवन जनता-जनार्दन की सेवा में समर्पित था। विशेष रूप से किसान-कमेरे वर्ग के कल्याण के लिए उन्होंने हमेशा अपनी आवाज बुलंद की। उनका जाना देश व प्रदेश की राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

पंजाब सतत भविष्य के लिए जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के लक्ष्य की ओर काम कर रहा है: अमन अरोड़ा

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री का कहना है कि पंजाब ने 1000 से अधिक सरकारी भवनों को ऊर्जा कुशल बनाकर 6800-मेगावाट को नवीकरणीय ऊर्जा में सफलतापूर्वक स्थानांतरित कर दिया है।

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत मंत्री श्री ने कहा कि एक स्थायी भविष्य हासिल करने के लिए, पंजाब जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और हरित ऊर्जा में परिवर्तन की रणनीति पर काम कर रहा है। अमन अरोड़ा ने प्रथम सिख गुरु नानक देव जी के बुद्धिमान शब्दों, ÷पवन गुरु पानी पिता, माता धरत महत÷ (वायु गुरु है, जल पिता है, और पृथ्वी महान माता है) का हवाला देते हुए। वह यहां एक होटल में ऊर्जा मंत्रालय के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के सहयोग से राज्य ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने के लिए पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (पीईडीए) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सैकड़ों वर्ष पहले हमारे गुरु ने वायु को गुरु का दर्जा दिया था। ÷मुझे खुशी है कि दुनिया अंततः जलवायु परिवर्तन की कठोर वास्तविकता के प्रति जागरूक हो रही है और यह जरूरी है कि हम इस संकट की गंभीरता को स्वीकार करें और पृथ्वी ग्रह की रक्षा के लिए सामूहिक रूप से काम करें।÷

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने स्कूलों सहित 1000 से अधिक सरकारी भवनों को ऊर्जा कुशल बनाकर 6800 मेगावाट को नवीकरणीय ऊर्जा में सफलतापूर्वक स्थानांतरित कर दिया है। 6200 मेगावाट और नवीकरणीय ऊर्जा में स्थानांतरित करने के लिए एक और परियोजना चल रही है। इसके अलावा, राज्य में 2.16 लाख ऊर्जा कुशल बीईई 4 स्टार रेटेड कृषि पंप-सेट स्थापित किए गए हैं। राज्य में 750 से अधिक इमारतें ईसीबीसी के अनुरूप हैं।उन्होंने राज्य के लोगों से यह भी आग्रह किया कि पंजाब को ऊर्जा कुशल राज्य में बदलने के लिए सरकार को उनके समर्थन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित कर सकती है लेकिन मुख्य जिम्मेदारी निजी खिलाड़ियों की आती है क्योंकि उन्हें अपने संगठनों को ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों को अपनाना और उनसे लैस करना होगा।

उन्होंने भविष्य में ऊर्जा के महत्व को दर्शाते हुए पुरानी कहावत पैसा बचाया गया है पैसा कमाया है से ऊर्जा बचाया है ऊर्जा उत्पन्न की है के लिए एक नया शब्द चलाया। उन्होंने ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकियों पर प्रदर्शनी और ऊर्जा संरक्षण दिवस समारोह का भी उद्घाटन किया। प्रमुख सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा स्रोत श्री अजॉय कुमार सिन्हा ने राज्य में बिजली की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर को पाटने के लिए ऊर्जा संरक्षण और ऊर्जा दक्षता की आवश्यकता पर जोर दिया, साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने और ऊर्जा संरक्षण और ऊर्जा दक्षता उपायों को अपनाते हुए विवेकपूर्ण तरीके से बिजली का उपयोग करने का आग्रह किया। निदेशक पेडा श्री. सांसद सिंह ने दर्शकों को विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए राज्य में ऊर्जा संरक्षण कार्यक्रमों के तहत की गई पहल पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पंजाब ईसीबीसी को लागू करने में अग्रणी है, 85 से अधिक क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, ईसीबीसी और ग्रीन बिल्डिंग को प्रोत्साहित करने में पंजाब अग्रणी राज्य है, पंजाब ऊर्जा दक्षता क्षेत्र में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक है।

गृह परिषद की उप सीईओ सुश्री. शबनम बस्सी, वीपी बिजनेस डेवलपमेंट ग्लोबल नेटवर्क फॉर ज़ीरो श्री। गौरव मुखीजा और पीएसपीसीएल, जल आपूर्ति और स्वच्छता, पीडब्ल्यूडी, स्थानीय सरकार, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान, जीएमएडीए सहित हितधारक विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी राज्य ऊर्जा संरक्षण दिवस के उत्सव के दौरान उपस्थित थे।

ओमप्रकाश चौटाला जी बहुत मजबूत व हिम्मत वाले आदमी थे : जयहिन्द

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला जी का शुक्रवार को गुरुग्राम में निधन हो गया। वह 89 साल के थे। शनिवार 21 दिसंबर को उनके पैतृक गांव चौटाला में उनका अंतिम संस्कार किया गया जहां नवीन जयहिन्द ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। जयहिन्द ने बताया कि चौटाला साहब बहुत मजबूत व हिम्मत वाले आदमी थे। आज के दिन किसी नेता में इतनी हिम्मत नहीं होगी कि 75 साल की उम्र में दस साल की सजा की जेल काटकर ज़िंदा वापिस आ जाएगा। साथ ही जयहिन्द ने कहा लोग चौटाला साहब की पॉलिसी व काम से सहमत ना हो कोई बात नहीं, लेकिन इस बात में कोई आपति नहीं होनी चाहिए कि चौटाला साहब बहुत हिम्मत वाले आदमी थे।जयहिन्द ने कुछ पुराना यादें साझा करते हुए बताया कि अन्ना आंदोलन के दौरान गुरुग्राम के एक मेडिकल में अन्ना जी एडमिट हुए थे और मैं उनके साथ था। उसी मेडिकल में चौटाला जी भी एडमिट थे। चौटाला साहब को पता चलने पर उन्होंने मुझे बुलाया और मेरा नाम व पता पूछा। मेरे बताने पर उन्होंने झट से बता दिया कि तुम्हारे गांव के नाम पर दौ गांव है तुम कौनसे गांव के हो, उसके बाद एक गांव में चौटाला साहब द्वारा जनता दरबार लगाया गया था उसमें हमने नारे लगाए तो उन्होंने तुरंत मुझे पहचान लिया। मैने उस समय देखा कि इतनी ज्यादा उम्र में भी याददाश इतनी तेज होना आम बात नहीं है। चौटाला साहब ने 87 साल की उम्र में जेल से ही 10वीं की परीक्षा दी और मेरिट में पास हुए। बेशक वे बहुत बुद्धिमान थे और उनसे हमें ओर आज के बच्चों को प्रेरणा लेनी चाहिए।